ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-६३
दिनांक- शुक्रवार, २६ अगस्त, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.9 एवं 25.1 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 94 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 65 प्रतिशत, हवा की औसत गति 3.7 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 3.8 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.2 एवं दोपहर में 40.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 2.0 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(27–31 अगस्त, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 27–31 अगस्त, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलो में हल्के से मध्यम बादल छाये रह सकते हैं। अगले १–२ दिनों के दौरान उत्तर बिहार के जिलों में कही कही हल्की वर्षा हो सकती है तथा कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा हो सकती है। समस्तीपुर, वैशाली, सारण, सिवान, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, मधुबनी, सीतामढ़ी, शिवहर, पूर्वी तथा पश्चिमी चम्पारण के जिलों में २८–२९ अगस्त के आसपास मध्यम से थोड़ा अधिक वर्षा हो सकती है। अन्य जिलों में पूरे पूर्वानुमान की अवधि में अनेक स्थानों पर हल्की–हल्की वर्षा होने की सम्भावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 31 से 33 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 25–27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में पूरवा हवा चलने का अनुमान है। औसतन 10–12 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमान की अवधि में वर्षा की संभावना को देखते हुए खड़ी फसलों में दवा का छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही सावधानी पूर्वक करें।
- जो भी किसान भाई अपने खड़ी फसल में सिंचाई करना चाहते है वैसे किसान अभी वर्षा की सम्भावना को देखते हुए फिलहाल स्थगित कर सकते है तथा वर्षा न होने की स्थिति में सिचाईं करें।
- धान की फसल में खैरा बीमारी दिखाई पड़ने पर खेतों में जिंक सल्फेट 5.0 किलोग्राम तथा 2.5 किलोग्राम बुझा चूना का 500 लीटर पानी में घोल बना कर एक हेक्टेयर में छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें। पिछात धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के कार्य को प्राथमिकता दें।
- अगात धान की फसल में तना छेदक कीट की निगरानी करें। इसकी सूंडीयॉ तनो में घुसकर क्षती पहुचाती है। प्रारंभिक अवस्था में पौधें की मध्य कलिका मुरझाकर सुखी हुई नजर आती है। ऐसे पौधो में बालीयॉ सुखी एवं खोखली रह जाती है। इसे अगर पकड़कर खींचा जाए तो वह आसानी से बाहर निकल आती है। इस प्रकार का लक्षण दिखने पर बचाव के लिए फेरोमोन ट्रैप की 12 ट्रैप प्रति हेक्टेयर का प्रयोग करे। खेतो में 5 प्रतिषत क्षतिग्रस्त पौधें दिखाई देने पर करताप हाईड्रोक्लोराईड दाने–दार दवा का अथवा फिप्रोंनिल 0.3 जी का 10 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से व्यवहार करें।
- मक्का की खड़ी फसल में तना छेदक कीट की निगरानी करें। बचाव के लिए कार्बोफ्यूरान (3 जी) का 7 किलोग्राम/हे0 की दर से पौधें के गाभा में डालें।
- सितम्बर अरहर की बुआई उचॉस जमीन में करे। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम फास्फोरस,20 किलोग्राम पोटाष तथा 20 किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। अरहर की पूसा–9 तथा शरद प्रभेद उत्तर बिहार के लिए अनुसंषित है। बुआई के 24 घंटे पूर्व 2.5 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए। जून–जुलाई में बोयी गई अरहर की फसल में कीट–व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- उरद् की फसल में पीला मोजैक वायरस से ग्रस्त पौधों को उखार कर नष्ट कर दें। बीमार पौधों की पत्तियों पर पीले सुनहरे चकत्ते पायें जाते है एवं बीमारी की उग्र अवस्था में पूरी पत्ती पिली पड़ जाती है। पत्तियॉ आकार में छोटी हो जाती है। पुष्प एवं फलन प्रभावित हो जाती है। यह रोग सफेद मक्खी द्वारा फैलता है। रोग के विस्तार से बचाव के लिए इमिडाक्लोप्रिड एक मी0ली0 प्रति 3 लीटर पानी की दर से घोल बनाकर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- परवल की राजेन्द्र परवल–1, राजेन्द्र परवल–2, एफ0पी0–1, एफ0पी0–3, स्वर्ण रेखा, स्वर्ण अलौकिक, आई0आई0भी0आर0–1 आदि किस्मों की रोपनी करें। बीज दर 2500 गुच्छियाँ प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी 2x2 मीटर रखें। परवल की रोपाई के लिए प्रति गड्ढ़ा कम्पोस्ट 3 से 5 किलो ग्राम, नीम या अंडी की खल्ली 250 ग्राम, एस0एस0पी0 100 ग्राम, म्यूरेट ऑफ पोटाष 25 ग्राम एवं थिमेट 10 से 15 ग्राम का व्यवहार करें।
- हल्दी, अदरक, ओल और बरसाती सब्जियों में आवष्यकतानुसार निकाई–गुड़ाई करें। इन फसलों में कीट–व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- मिर्च की नर्सरी गिराने का कार्य अविलंब संपन्न करें। जिनका पौध तैयार हो वे किसान रोपनी करें। रोपाई पूर्व जीवाणु खाद से विचड़ों का उपचार अवष्य करें।
- फूलगोभी की अगात किस्में कुँआरी, पटना अर्ली, पूसा कतकी, हाजीपुर अगात, पूसा दिपाली की रोपाई समाप्त करें। बोरान तथा मॉलिब्डेनम तत्व की कमी वाले खेत में 10–15 किलो ग्राम बोरेक्स तथा 1–2 किलोग्राम अमोनियम मालिब्डेट का व्यवहार खेत की तैयारी के समय करे। फुलगोभी की मध्यकालीन किस्में अगहनी, पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक–1, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेघना, काषी कुवॉरी एवं अर्ली स्नोबॉल किस्मों की बुआई नर्सरी मे उथली क्यारियों मे पंक्तियों में गिराये। पौधशाला को तेज धूप अथवा वर्षा से बचाने के लिए 40 प्रतिशत छायादार नेट से 6–7 फीट की ऊचाई पर ढ़कने की व्यवस्था करें।

आज का अधिकतम तापमानः 34.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 24.7 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.7 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम विज्ञान)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी